खबर संक्षेप

अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

मैहर। पुलिस अधीक्षक मैहर अवधेश प्रताप सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ.चंचल नागर के निर्देशन तथा एसडीओपी अमरपाटन ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में रामनगर पुलिस ने नशे के कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।थाना प्रभारी रामनगर निरीक्षक विजय त्रिपाठी के नेतृत्व में चौकी मर्यादपुर के अंतर्गत पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम मझटोलवा में दबिश दी। पुलिस ने आरोपी राजेंद्र बैस उर्फ लल्लू बैस (58 वर्ष) के घर के पीछे बाड़ी में गोबर के कंडे के नीचे छुपाई गई प्लास्टिक की पन्नी से कुल 870 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस छापामार कार्रवाई में चौकी प्रभारी मर्यादपुर उपनिरीक्षक कुलदीप पटेल,प्रधान आरक्षक सर्वेश्वर द्विवेदी,आरक्षक राजेश यादव,विमलेश यादव और धर्मेंद्र रावत शामिल रहे।

दिलीप बने मैहर जिलाध्यक्ष, प्रिंस को मिली जिला महामंत्री की जिम्मेदारी

मैहर। युवा नेता दिलीप पटेल को भाजयुमो का मैहर जिला अध्यक्ष और प्रिंस शर्मा को जिला महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन नियुक्तियों पर सांसद गणेश सिंह,भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने और मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने हर्ष व्यक्त करते हुए दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी है।

पुरानी रंजिश के चलते सिर पर पत्थर पटककर हत्या करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

मैहर। बदेरा थाना क्षेत्र के लटागांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की निर्मम हत्या करने वाले आरोपी को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार,23 मई 2025 की रात को आरोपी सुशील कुमार उर्फ शीलचंद कोल (29 वर्ष) ने घर के बाहर चबूतरे पर लेटे धनीराम कोल (24 वर्ष) के सिर पर पत्थर पटककर उसकी हत्या कर दी थी। इस मामले में मृतका की मां फूलमती कोल की शिकायत पर थाना बदेरा में अपराध क्रमांक 115/25 के तहत धारा 103(1) बीएनएस का मामला दर्ज किया गया था। तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक सिंह परिहार ने त्वरित विवेचना करते हुए घटना में प्रयुक्त पत्थर जप्त किया और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया। अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम न्यायालय मैहर,आदेश कुमार जैन की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी सुशील कुमार उर्फ शीलचंद कोल को दोषी पाया और आजीवन कारावास एवं 1,000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया। इस सफल पैरवी और विवेचना में अभियोजक श्रीमती कल्पना सोलंकी,थाना प्रभारी अभिषेक सिंह परिहार और पुलिस बल का सराहनीय योगदान रहा।

रीवा से 3 जनवरी को रवाना होगी 'भारत गौरव पर्यटक ट्रेन', दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थों का कराएगी दर्शन

जबलपुर। मध्य प्रदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड एक खास सौगात लेकर आया है। आईआरसीटीसी द्वारा रीवा शहर से 02 ज्योतिर्लिंग के साथ दक्षिण दर्शन यात्रा के लिए 'भारत गौरव पर्यटक ट्रेन' का संचालन किया जा रहा है,जो 3 जनवरी 2027 को रवाना होगी। यात्रा अवधि: 11 रातें और 12 दिन। तिरुपति,श्री कालहस्ती,रामेश्वरम,मदुरई,कन्या कुमारी तथा मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग।प्रमुख स्टेशन (बोर्डिंग पॉइंट): रीवा,सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर,नरसिंहपुर,इटारसी,बैतूल एवं नागपुर। यात्रा से संबंधित अधिक जानकारी व टिकट बुकिंग के लिए श्रद्धालु आईआरसीटीसी के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेलवे स्टेशन स्थित कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं।

नगर निगम की अवैध कॉलोनी पर बड़ी कार्रवाई वार्ड 30 में बुलडोजर से हटाईं सड़कें और प्लिंथ

सतना।

नगर निगम सीमा क्षेत्र में बिना वैधानिक अनुमति के कॉलोनी काटने और अवैध प्लॉटिंग करने वालों के खिलाफ नगर पालिक निगम ने रुख कड़ा कर लिया है।निगम आयुक्त के निर्देश पर वार्ड क्रमांक 30 के मौजा महदेवा में अवैध रूप से विकसित की जा रही एक कॉलोनी पर शनिवार को कड़ी कार्रवाई की गई। मौके पर पहुंची निगम की टीम ने कॉलोनी विकास के तहत बनाई जा रही सड़कों,भूखंडों की मार्किंग (प्लॉट चूना लाइन) और प्लिंथ निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर अनधिकृत विकास कार्यों पर तत्काल रोक लगा दी।





0.8491 हेक्टेयर भूमि पर चल रहा था अवैध निर्माण

कार्रवाई के संबंध में अधिकारियों ने बताया कि मौजा महदेवा स्थित आराजी क्रमांक 88/2/2/2 /1/1 /1/1(S) (कुल दर्ज रकबा 0.8491 हेक्टेयर) पर बिना आवश्यक प्रशासनिक अनुमति के कॉलोनी विकसित की जा रही थी। राजस्व अभिलेखों के अनुसार उक्त भूमि श्रीमती रानी गर्ग,आशुतोष कुमार गर्ग,संदीप सिंह एवं कैलाश कुमार सिंह के नाम दर्ज है। निगम द्वारा यह कार्रवाई मध्यप्रदेश नगरपालिका (कॉलोनी विकास) नियम, 2021 के तहत अंजाम दी गई।

आयुक्त की सख्त चेतावनी

निगम सीमा क्षेत्र में बिना वैधानिक अनुमति के प्लॉटिंग या कॉलोनी निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों की अनदेखी करने वालों पर नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। सभी संबंधित अधिकारियों को अवैध प्लॉटिंग पर सतत निगरानी रखने और शिकायत मिलते ही तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।



मिठाइयों के नमूने लिए, खाद्य सामग्री जब्त

मैहर।

आगामी दीपावली पर्व के दृष्टिगत आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती विदिशा मुखर्जी के निर्देशानुसार एवं अभिहित अधिकारी डॉ.मनोज शुक्ला के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मैहर नगर में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान स्टेशन रोड स्थित भवानी बीकानेर स्वीट्स से मिठाइयों के दो नमूने लिए गए। ट्रेन से मावा लेकर पहुंचे एक विक्रेता के मावे की रैपिड टेस्टिंग किट से जांच की गई। प्रारंभिक जांच में एक बोरे का परिणाम मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर 20किलोग्राम मावा जब्त कर नष्ट करवाया व दो नमूने विस्तृत जांच हेतु लिए गए। इसी क्रम में पारस बिजनेस से श्री गोवर्धन जी कुकिंग मीडियम एवं 9AM मैंगो पिकल के नमूने लिए गए। लेबलिंग संबंधी अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं होने पर श्री गोवर्धन जी कुकिंग मीडियम के 200 एमएल के 54 एवं 500 एमएल के 5 पैक जब्त किए गए। इसके अतिरिक्त न्यू पूजा स्वीट्स से मिठाई का एक तथा स्टेशन रोड स्थित बीकानेर एक्सप्रेस से मिठाइयों के दो नमूने जांच हेतु लिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि दीपावली पर्व के दौरान खाद्य पदार्थों की शुद्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और जांच की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

घूरडांग में नाई की दुकान पर काम करने वाले युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला, हालत गंभीर

सतना। कोलगवां थाना के घूरडांग इलाके में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक सैलून (नाई की दुकान) पर काम करने वाले युवक पर अंशु नामक व्यक्ति ने जानलेवा हमला कर दिया।आरोपी ने युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ कई वार किए,जिससे वह लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर पड़ा। इस अचानक हुए हमले से दुकान और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर दौड़े,जहां उसका इलाज किया जा रहा है।



चलती ट्रेन में महिला को उठी प्रसव पीड़ा, सतना में दिया बच्ची को जन्म; जच्चा-बच्चा सुरक्षित

सतना। दुर्ग से गोरखपुर जा रही एकट्रेन में यात्रा के दौरान गर्भवती महिला को अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए ट्रेन स्टाफ ने तुरंत सतना स्टेशन मास्टर को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्टेशन अधीक्षक ने तत्परता दिखाते हुए स्वास्थ्यकर्मियों की टीम को ट्रेन में भेजा और प्रसूता को तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाने का इंतजाम कराया। हालांकि,अस्पताल पहुँचने के पूर्व ही रास्ते में महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दे दिया। राहत की बात यह है कि जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह से स्वस्थ हैं।



टिकुरिया टोला में 3 दिनों से खड़ी लावारिस बाइक, स्थानीय लोगों में संशय

सतना। शहर के टिकुरिया टोला डिलौरा मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर की गली नंबर 1 में बीते तीन दिनों से एक लावारिस मोटरसाइकिल खड़ी हुई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार,बाइक इतने दिनों से एक ही जगह पर बिना किसी देखरेख के खड़ी है,जिससे लोगों में तरह-तरह की आशंकाएं बनी हुई हैं। पुलिस को इस संबंध में सूचित किया जा रहा है ताकि वाहन के मालिक का पता लगाया जा सके।

नगर निगम ने थोक अपशिष्ट उत्पादकों को दिया कचरा प्रबंधन का प्रशिक्षण, 61 प्रतिनिधि हुए शामिल



सतना। स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम सतना द्वारा थोक अपशिष्ट उत्पादकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिशा-निर्देशानुसार तथा फीडबैक फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 61संस्थानों व प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 की दी गई जानकारी

कार्यक्रम का शुभारंभ निगम के स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद प्रताप सिंह ने किया। प्रशिक्षण के दौरान ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम,2026 के तहत कचरा पृथक्करण, ऑनलाइन पंजीयन और कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण की बारीकियों को समझाया गया। फीडबैक फाउंडेशन के प्रशिक्षक आशीष विश्वास ने पात्रता तय करने वाले मानदंडों की जानकारी देते हुए बताया कि निम्नलिखित में से कोई एक मानदंड पूरा करने वाले संस्थान 'थोक अपशिष्ट उत्पादक' की श्रेणी में आते हैं।

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और सरदार पटेल की जयंती पर सेवादल ने किया मानवता का स्मरण



मैहर। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व.श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और देश के पहले गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर कांग्रेस सेवादल परिवार द्वारा सिविल अस्पताल मैहर में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.वी. श्रीनिवासन के निर्देश,मप्र कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अवनीश भार्गव के मार्गदर्शन और जिला अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष धर्मेश घई ने अपने संबोधन में कहा कि सेवादल परिवार द्वारा मानवता की सेवा में आयोजित यह रक्तदान शिविर अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इन जांबाज साथियों के रक्तदान से जरूरतमंदों की बहुमूल्य जान बचेगी। कार्यक्रम में सेवादल के कई कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

एकेएस के वाणिज्य विभाग द्वारा सेंट्रल हॉल में कॉमर्स गाला 2026 फ्रेशर्स पार्टी



सतना। एकेएस विश्वविद्यालय,सतना के वाणिज्य विभाग द्वारा 30 अक्टूबर 2026 को ए-ब्लॉक के सेंट्रल हॉल में कॉमर्स गाला 2026 फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को यादगार बनाया। इस दौरान विभिन्न टाइटल्स के लिए विद्यार्थियों के बीच उत्साहपूर्ण मुकाबला देखने को मिला। प्रतियोगिता में मिस्टर फ्रेशर सोम पांडे और मिस फ्रेशर जायरा अयूब चुने गए।वहीं मिस्टर पार्टी का खिताब ओम साहू और मिसपार्टी का खिताब स्नेहा अग्रवाल ने जीता।एनर्जेटिक सीनियर परफॉर्मेंस अवार्ड पुष्पेंद्र कोरी को प्रदान किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसमें वाणिज्य विभाग के अधिष्ठाता डॉ.हर्षवर्धन एवं सूर्यनाथ सिंह गहरवार सहित डॉ.असलम सईद (एसोसिएट डीन),डॉ.धीरेंद्र ओझा (विभागाध्यक्ष,वाणिज्य),सीएस दीक्षा पांडे,सीए जैकी वाधवानी, श्रीकृष्ण झा,राधा सिंह,विपिन कुमार सोनी, शिवम पांडे एवं मृणालिनी सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने नए और वरिष्ठ विद्यार्थियों को आपस में जुड़ने तथा अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 'युवा संवाद' कार्यक्रम



मैहर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर में 'भारतीय लोकतंत्र और सोशल मीडिया' विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी रहे। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि युवाओं की जागरूकता, स्वतंत्र विचार और सक्रिय भागीदारी ही लोकतंत्र की असली ताकत है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कुछ अवसरवादी लोग युवाओं को भ्रमित कर वैचारिक मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं,जिससे देश की युवा शक्ति कमजोर न हो,इसके प्रति सजग रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश की 65% आबादी युवा है और यदि युवा शिक्षित, कुशल व संस्कारी बनेंगे,तो 'विकसित भारत 2047' का संकल्प तय समय से पहले पूरा होगा। कार्यक्रम में निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर भी चर्चा की गई,जिसमें 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अपील की गई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने,मां शारदा प्रबंध समिति सदस्य आलोक अग्रवाल व जितेंद्र पटेल,दिनेश पुरी गोस्वामी,दीपक सिंह बघेल,आदित्य नारायण शुक्ला,पारस तिवारी, उत्तम सिंह पटेल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और छात्र उपस्थित रहे।

व्यापारियों के हित में ही लिए जाएंगे सभी फैसले

मैहर। व्यापारी संघ अध्यक्ष नितिन ताम्रकार का वीडियो वायरल होने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष पति एवं सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी का आधिकारिक बयान सामने आया है। उन्होंने व्यापारी नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। संतोष सोनी ने स्पष्ट किया कि नगर पालिका हमेशा नगर के विकास और जनहित को ध्यान में रखकर कार्य करती है तथा व्यापारी बंधुओं के हितों की पूरी रक्षा की जाएगी।

सरदार पटेल की151वीं जयंती पर महा-चिकित्सा शिविर,निःशुल्क जांच,दवाएं और चश्मे होंगे वितरित

सतना। लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 151 वीं जयंती के अवसर पर शनिवार, 31 अक्टूबर को सतना में एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर मेडिकल कॉलेज के पास स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल स्मारक ट्रस्ट परिसर में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतना कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस.होंगे। विशिष्ट अतिथि नगर निगम आयुक्त डॉ.बी.नागार्जुन गौड़ा,पूर्व विधायक तोषण सिंह,वरिष्ठ समाजसेवी कमलेश पटेल रहेंगे। एलोपैथी,आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी पद्धतियों के अनुभवी विशेषज्ञ डॉ.अपनी सेवाएं देंगे। निःशुल्क सुविधाएं शिशु रोग,चर्म रोग,नेत्र रोग,हृदय रोग,दंत रोग,बीपी,शुगर,हीमोग्लोबिन जांच के साथ-साथ मुफ्त परामर्श,दवाइयां और चश्मे वितरित किए जाएंगे।कार्यक्रम के दौरान ग्राम हिनौती के निवासी मोहन सिंह द्वारा देहदान का संकल्प भी लिया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष गेंदलाल भाई पटेल और सचिव ब्रजेश प्रताप सिंह ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से इस विशाल शिविर में पहुँचकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

सतना के कई इलाकों में आज रहेगी बिजली गुल, सुबह 3 घंटे बंद रहेगी विद्युत आपूर्ति

सतना | ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 132 केवी उपकेंद्र पतेरी में अति आवश्यक सुधार कार्य किया जाना है। इस मेंटेनेंस कार्य के चलते दिनांक 31 अक्टूबर शनिवार को सुबह 07:30 बजे से सुबह 10:30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। निर्धारित समयावधि के दौरान पतेरी 132 केवी उपकेंद्र से निकलने वाले सभी 33 केवी फीडर पूरी तरह बंद रहेंगे,जिससे शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों में बिजली प्रभावित रहेगी।

प्रभावित होने वाले प्रमुख क्षेत्र

पतेरी,विराटनगर,उमरी,मंदाकिनी विहार, बगहा, सिविल लाइन, जिला न्यायालय परिसर,मास्टर प्लान, पौराणिक टोला, विंध्य क्लब, एसपी ऑफिस, राजेंद्र नगर, जवाहर नगर,खूंथी, प्रेमनगर, धवारी, नजीराबाद, प्रेम विहार, वरदाडीह,मु खियार गंज, शुक्ला, एमपी नगर, भरहुत नगर, सिंधी कैंप, बांधव गढ़,निशांत विहार, फ्रेंड्स कॉलोनी, बस स्टैंड, रीवा रोड, बम्हनगवा, घूरडॉन्गा, संतोषी विहारऔर औद्योगिक क्षेत्र सतना आदि।

कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने ककरा गांव में स्वास्थ्य केंद्र स्कूल और उचित मूल्य दुकान का किया औचक निरीक्षण

मैहर।



मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत मैहर कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने ग्राम ककरा का दौरा कर विभिन्न शासकीय संस्थाओं की जमीनी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ अपर कलेक्टर रोशन राय और एसडीएम एस.पी. मिश्रा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने एकीकृत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय ककरा के निरीक्षण के दौरान कक्षा 1 से 4 तक के बच्चों से संवाद कर उनके शैक्षणिक स्तर और रंगों की पहचान को परखा। बच्चों के बेहतर जवाब से प्रसन्न होकर उन्होंने उन्हें चॉकलेट और बिस्किट बांटे। इसके बाद उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र करही और ककरा की उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर खाद्यान्न भंडारण की गुणवत्ता की जांच की। आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान पदीय दायित्वों में लापरवाही मिलने पर कलेक्टर ने संबंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप



तेज रफ्तार बाइक ने मासूम को मारी टक्कर, पैर में आई चोट

अमानगंज। अमानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सकतपुरा में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से एक मासूम बच्चा घायल हो गया। घटना 30 अक्टूबर 2026 की दोपहर करीब 2 बजे की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी शंकर कुशवाहा का नाती ओंकार कुशवाहा घर के सामने अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान नीले रंग की हीरो होंडा मोटरसाइकिल क्रमांक 3649 का चालक गोविंद कुशवाहा तेज रफ्तार और लापरवाही से बाइक चलाते हुए पहुंचा और मासूम ओंकार को टक्कर मार दी। बाइक पर पीछे सोनू कुशवाहा भी बैठा हुआ था। हादसे में ओंकार के बाएं पैर की पिंडली में चोट आई। सूचना मिलने पर परिजनों ने डायल 112 को बुलाया और घायल बच्चे को लेकर थाने पहुंचे। फरियादी शंकर कुशवाहा की रिपोर्ट पर अमानगंज पुलिस ने बाइक चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) एवं मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

महिलाओं के घरों में चूल्हा जलाना हुआ मुश्किल, 4 माह से मानदेय का इंतजार

अमानगंज। शासन-प्रशासन की उदासीनता का खामियाजा स्व-सहायता समूह की महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है। स्कूलों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने वाली महिलाओं को पिछले चार माह से मानदेय नहीं मिला है। वहीं साझा चूल्हा और मध्यान्ह भोजन योजना की राशि भी लंबित बताई जा रही है। विडंबना देखिए, जो महिलाएं रोजाना बच्चों का पेट भरने के लिए रसोई में मेहनत करती हैं, आज उन्हीं के अपने घरों का चूल्हा जलाना मुश्किल हो रहा है। मेहनत करने के बावजूद भुगतान नहीं मिलने से महिलाएं आर्थिक संकट से जूझ रही हैं और अपनी बकाया राशि के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। सवाल यह है कि महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की बातें करने वाले शासन-प्रशासन के जिम्मेदार आखिर इन महिलाओं की सुध कब लेंगे? चार महीने से मेहनत का पैसा नहीं मिला, तो इनके परिवारों का खर्च कैसे चलेगा? आखिर कब जागेगा प्रशासन और कब मिलेगा महिलाओं को उनका हक।

पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह के प्रयासों से छत्रसाल स्टेडियम और श्री जुगल किशोर जी स्टेडियम में होगा आधुनिक खेल सुविधाओं का विस्तार, खिलाड़ियों को मिलेगा बेहतर मंच

पन्ना में खेल सुविधाओं के विकास को मिलेगी नई गति, तीन महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों को मिली मंजूरी

पन्ना। पन्ना जिले में विकास कार्यों को लगातार नए पंख लग रहे हैं। अब खेल अधोसंरचना के विकास और युवा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह के प्रयासों से खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा पन्ना में तीन महत्वपूर्ण निर्माण कार्य कराए जाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इन कार्यों के पूर्ण होने से जिले के खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी और खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलेगा। प्रस्तावित निर्माण कार्यों में छत्रसाल स्टेडियम नजरबाग पन्ना में मलखम्ब शेड निर्माण, छत्रसाल स्टेडियम नजरबाग में सिंडर ट्रैक एवं फील्ड निर्माण तथा श्री जुगल किशोर जी स्टेडियम तलैया फील्ड पन्ना में सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट निर्माण कार्य शामिल हैं। इन निर्माण कार्यों से पन्ना में मलखम्ब, एथलेटिक्स और बास्केटबॉल जैसे खेलों को बढ़ावा मिलेगा। खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए बेहतर मैदान और आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी। खासकर ग्रामीण अंचलों से आने वाली खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता निखारने और प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होगा।

छत्रसाल स्टेडियम को आधुनिक खेल परिसर के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रयास

पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि पन्ना में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत



इस बात की है कि यहां के युवाओं को बेहतर खेल मैदान, आधुनिक संसाधन और अभ्यास के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इसी सोच के साथ पन्ना में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने छत्रसाल स्टेडियम नजरबाग को आधुनिक खेल स्टेडियम के रूप में विकसित करने की दिशा में भी अपनी प्राथमिकता व्यक्त की है। स्टेडियम में आधुनिक लाइटिंग लग चुकी है साथ ही अन्य आवश्यक सुविधाओं के विस्तार हो रहा हैं, ताकि खिलाड़ियों को दिन के साथ-साथ शाम और रात के समय भी अभ्यास की बेहतर सुविधा मिल सके। स्टेडियम को आधुनिक स्वरूप देने के साथ इसे विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और आयोजनों के लिए सुविधायुक्त बनाने की दिशा में भी प्रयास जारी हैं। बृजेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच विकसित करने का महत्वपूर्ण जरिया भी हैं। पन्ना के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर मिलें, इसके लिए खेल अधोसंरचना का मजबूत होना आवश्यक है। उनका प्रयास है कि जिले के खिलाड़ियों को सुविधाओं के अभाव में अपनी प्रतिभा से समझौता न करना पड़े और उन्हें अपने ही जिले में बेहतर प्रशिक्षण एवं अभ्यास का वातावरण मिल सके।

पन्ना की खेल प्रतिभाओं को मिलेगा आगे बढ़ने का अवसर

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा कराए जाने वाले इन तीनों निर्माण कार्यों को पन्ना के खेल जगत के लिए महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। मलखम्ब शेड बनने से इस पारंपरिक खेल के खिलाड़ियों को व्यवस्थित अभ्यास स्थल मिलेगा। सिंडर ट्रैक एवं फील्ड निर्माण से एथलेटिक्स के खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास सुविधा मिलेगी, वहीं सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट बनने से बास्केटबॉल खिलाड़ियों को आधुनिक खेल मैदान उपलब्ध होगा। पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह के प्रयासों से लगातार जिले में विकास कार्यों का विस्तार हो रहा है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और बुनियादी सुविधाओं के साथ अब खेल अधोसंरचना को भी प्राथमिकता दी जा रही है। निश्चित रूप से ये निर्माण कार्य पन्ना के खिलाड़ियों के लिए सराहनीय कदम साबित होंगे। आधुनिक खेल सुविधाओं के विकास से स्थानीय युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, जिला एवं प्रदेश स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के नए अवसर मिलेंगे। पन्ना को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्त का भारी संकट ए और बी पॉजिटिव खून नहीं, मरीज परेशान



पन्ना। स्थानीय जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं वेंटिलेटर पर नजर आ रही हैं। अस्पताल के ब्लड बैंक में इस समय ए पॉजिटिव (I$) और बी पॉजिटिव (ठ$) ग्रुप का खून पूरी तरह से खत्म (जीरो) हो चुका है। रक्त की इस भारी किल्लत के कारण अस्पताल में भर्ती गंभीर मरीज और उनके तीमारदार बूंद-बूंद खून के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

जिम्मेदारों की लापरवाही और समाजसेवियों की अपील'

हैरानी की बात यह है कि जिले के जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी इस गंभीर संकट के बाद भी पूरी तरह से बेपरवाह बने हुए हैं। रक्त की कमी को दूर करने के लिए जिले में स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन कराने में भारी लापरवाही बरती जा रही है। पन्ना की चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर जाने-माने समाजसेवी राम बिहारी गोस्वामी ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने सभी जिम्मेदार अधिकारियों, क्षेत्र के नेताओं और जनप्रतिनिधियों से पुरजोर अपील की है कि वे राजनीति और दफ्तरशाही से ऊपर उठकर तुरंत रक्तदान शिविरों का आयोजन करवाएं, ताकि संकट में फंसे मरीजों की जान बचाई जा सके।

स्टाफ का भारी टोटारू बिना प्रभारी डॉक्टर के चल रहा ब्लड बैंक'

ब्लड बैंक में केवल खून की ही कमी नहीं है, बल्कि यह विभाग खुद कर्मचारियों के अभाव से जूझ रहा है। वर्तमान में स्थिति यह है कि डॉक्टर का पद खाली ब्लड बैंक के लैब प्रभारी डॉक्टर की सेवा समाप्त होने के बाद से यह महत्वपूर्ण विभाग बिना किसी डॉक्टर (विशेषज्ञ) के रामभरोसे चल रहा है।

लैब तकनीशियनों की कमी'

ब्लड बैंक में पर्याप्त स्टाफ न होने के कारण अगर कोई शिविर आयोजित करना भी चाहे, तो व्यवस्था संभालना नामुमकिन है। नियमानुसार और सुचारू संचालन के लिए ब्लड बैंक को कम से कम तीन लैब तकनीशियनों की तत्काल आवश्यकता है।यदि समय रहते प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने इस अव्यवस्था को गंभीरता से नहीं लिया और स्टाफ की नियुक्ति व रक्तदान शिविरों का आयोजन नहीं कराया, तो आने वाले दिनों में जिला अस्पताल में मरीजों की जान पर बड़ा जोखिम खड़ा हो सकता है।

तेज रफ्तार पिकअप ने दो बहनों को मारी टक्कर, दोनों गंभीर घायल

अमानगंज-किशनगढ़ मार्ग पर स्वामी विवेकानंद स्कूल के पास हुआ हादसा

अमानगंज। अमानगंज क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का एक और मामला सामने आया है। यहां एक अनियंत्रित पिकअप वाहन ने सड़क किनारे जा रही दो सगी बहनों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गईं। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, घटना 25 अक्टूबर 2026 की रात करीब 9 से 10 बजे के बीच की है। ग्राम राजपुर निवासी नीरज राजपूत अपनी बड़ी बहन वर्षा राजपूत के साथ स्वामी विवेकानंद स्कूल के पास सड़क किनारे पहुंची थीं। इसी दौरान अमानगंज की तरफ से आ रहे पिकअप वाहन क्रमांक डच1र्6 ड 5197 के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए दोनों को टक्कर मार दी। हादसे में नीरज के दोनों हाथों और घुटनों में चोटें आईं, जबकि वर्षा के दोनों घुटनों, कमर, गर्दन, बाएं हाथ और सिर में चोट लगी। घटना के बाद परिजन दोनों को अमानगंज अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से रेफर किए जाने पर कटनी के जीजी नर्सिंग होम में उपचार कराया गया। बताया गया कि हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर किशनगढ़-गड़ोखर की तरफ फरार हो गया। उपचार के बाद 30 अक्टूबर को नीरज ने अमानगंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) एवं मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

दो मोटर साइकिल में टक्कर

पन्ना। पन्ना जिले के गुनौर थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़रिया कला गांव के पास शंकरगढ़ पेट्रोल पंप के सामने दो बाइकों की आपस में भिड़ंत हो गई। इस सड़क हादसे में कमता गांव निवासी शारदा गौतम को गंभीर चोटें आई हैं। उनकी हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सतना रेफर किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शारदा गौतम अपने एक साथी के साथ किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान शंकरगढ़ पेट्रोल पंप के सामने दो बाइकों की आपस में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित हो गई, जिससे शारदा गौतम गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें सतना रेफर कर दिया। फिलहाल हादसे के कारणों को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

महिला के साथ मारपीट पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार



पन्ना। पन्ना जिले के पवई थाना क्षेत्र के ग्राम कृष्णगढ़ में एक महिला ने गांव के कुछ लोगों पर अपने पति और बेटे के साथ मारपीट करने, तथा पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता मीरा चौधरी ने पुलिस अधीक्षक पन्ना को लिखित आवेदन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। वहीं, थाना पवई पुलिस पर शिकायत दर्ज नहीं करने और उचित कार्रवाई नहीं करने का आरोप भी लगाया है। पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में मीरा चौधरी ने बताया कि पहले उनके बेटे अंकित चौधरी के साथ रमेश, शैलेन्द्र, नेता, शिवम और रजनीश ने कथित रूप से मारपीट की। बेटे को बचाने पहुंचे उनके पति पुष्पू चौधरी के साथ भी मारपीट की गई, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और सीने व गले में भी चोटें पहुंचीं। महिला का आरोप है कि जब वह अपने पति और बेटे को बचाने के लिए पहुंचीं तो रमेश, छोटे, गोरेलाल, रतन की पत्नी और रमेश की बेटी सहित अन्य लोगों ने उनके साथ लात-घूंसों और डंडों से मारपीट की। इस दौरान उनका हाथ फ्रैक्चर हो गया और सिर में भी चोट आई। पीड़िता ने आवेदन में आरोप लगाया है कि रमेश ने पीछे से आकर उन्हें पकड़ लिया और घसीटकर गेट के अंदर ले गया। आरोपियों ने उन्हें, उनके पति और बेटे को जान से मारने की धमकी भी दी। महिला का कहना है कि घटना के बाद भी उन्हें रास्ते में रोककर परेशान किया जाता है और लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है।

पूनम की महारात्रि से पंचमी तक चला अखंड रास श्री राज जी की सवारी के साथ महोत्सव का समापन



'रास के रमइया की जय' के जयकारों से गूंजा पन्ना, श्रीजी की एक झलक पाने उमड़ा सुंदरसाथ, दही की मटकियां लेकर महिला-पुरुषों ने किया नृत्य

पन्ना। आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के बीच विजयादशमी से शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय शरदपूर्णिमा महोत्सव शुक्रवार 30 अक्टूबर को परंपरागत धार्मिक आयोजनों के साथ संपन्न हो गया। दस दिवसीय इस महोत्सव का सबसे विशेष पक्ष शरदपूर्णिमा की पूनम की रात्रि से पंचमी तक चलने वाला रासमंडल का आयोजन रहा, जिसे प्रणामी धर्मावलंबी एक महारात्रि के रूप में देखते हैं। इस दौरान भजन, वाणी गायन, रासलीला, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और गरबा नृत्य के माध्यम से सुंदरसाथ ने भक्ति और साधना में सहभागिता की।

महारात्रि की धार्मिक मान्यता से जुड़ा है रासमंडल का आयोजन

प्रणामी धर्मावलंबियों की मान्यता के अनुसार पूनम से पंचमी तक की अवधि सामान्य पांच रात्रियों का क्रम नहीं, बल्कि एक महारात्रि का स्वरूप है। धार्मिक विश्वास है कि इस अवधि में महामति श्री प्राणनाथ जी अपने अनंत स्वरूप में सुंदरसाथ के साथ ब्रज की दिव्य लीलाओं को कलियुग में पुनः साकार करते हैं। सुंदरसाथ अपने आराध्य श्रीजी को प्रियतम स्वरूप में अनुभव करते हुए इस दिव्य आयोजन में सहभागी बनता है। यही वजह है कि पूनम की चांदनी से पंचमी की सुबह तक रासमंडल में भक्ति, संगीत, नृत्य और आध्यात्मिक साधना का क्रम बना रहता है।

दही की मटकियां लेकर निकली सवारी, जयकारों से गूंजा नगर

महोत्सव के अंतिम दिन शुक्रवार सुबह लगभग 9 बजे रासमंडल स्थित ब्रह्म चबूतरे पर झीलना कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद अक्षरातीत परब्रह्म विजयाभिनंद बुद्ध निष्कलंक अवतार महामति श्री प्राणनाथ जी की सेवा बंगला साहिब मंदिर के लिए रवाना हुई। श्रीजी की सवारी आगे बढ़ते ही सुंदरसाथ ने श्रास के रमइया की जयश, श्धाम के धनी की जयश और प्राणनाथ प्यारे की जय के जयकारों से वातावरण भक्तिमय कर दिया। सवारी में महिला और पुरुष श्रद्धालु दही से भरी सजी हुई मटकियां लेकर नृत्य करते चल रहे थे। महिलाएं सिर पर मटकियां रखकर तो पुरुष श्रद्धालु भी मटकी लेकर भक्ति में झूमते नजर आए। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालु श्रीजी की एक झलक पाने के लिए आतुर दिखाई दिए। सुंदरसाथ ने पुष्पमालाएं अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। सवारी के बंगला साहिब मंदिर पहुंचने और श्रीजी के वहां विराजमान होने के साथ महोत्सव का समापन हुआ।

चौथ की रात मंचीय प्रस्तुतियों के बाद पूरी रात चला गरबा'

महोत्सव की चौथ की रात्रि भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। शाम लगभग 7रू30 बजे रासमंडल के सामने मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें धामी समाज के विद्वान-विदुषियों, बच्चों, युवक-युवतियों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित देश के विभिन्न प्रांतों से आए विद्वानों ने अपने विचार रखे। साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से धार्मिक और सामाजिक परंपराओं की झलक दिखाई गई। मध्यरात्रि लगभग एक बजे के बाद गरबा नृत्य शुरू हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में सुंदरसाथ शामिल हुआ। ढोलक और मंजीरों की ताल पर महिला-पुरुष, युवक-युवतियां और बच्चे पूरी रात गरबा करते रहे। रासमंडल में सामूहिक नृत्य और भक्ति संगीत का यह दृश्य महोत्सव के सांस्कृतिक उल्लास को दर्शाता रहा।

श्रीकृष्ण बाल लीलाओं और गोवर्धन पूजा के साथ मनाया गया भागवत कथा का चौथा दिन

भगवान की बाल लीलाएं और गोवर्धन पूजा भक्ति का साक्षात रूपः पं. आशुतोष पौराणिक

श्री जुगल किशोर जी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, भजनों पर मंत्रमुग्ध होकर झूमे भक्त

पन्ना। ऐतिहासिक एवं आस्था के केंद्र श्री जुगल किशोर जी मंदिर में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चौथे दिन श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुप्रसिद्ध कथाव्यास पं. आशुतोष पौराणिक जी के मुखारविंद से प्रवाहित हो रही कथा को सुनने के लिए स्थानीय सहित दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। 25 अक्टूबर से शुरू हुई यह संगीतमय कथा 31 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से अनवरत जारी है।

आनंद कंद श्रीकृष्ण की मनमोहक बाल लीलाएं

कथा के चौथे दिन व्यासपीठ से पं. आशुतोष पौराणिक जी ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य और भव्य बाल लीलाओं का अत्यंत सुंदर व मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने बताया कि प्रभु की बाल लीलाएं केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भक्तों को आनंद और प्रेम का संदेश देने वाली हैं। माखन चोरी, मटकी फोड़ और मैया यशोदा के साथ बालकृष्ण के प्रेम भरे प्रसंगों को सुनकर पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो गए। पौराणिक जी ने कहा कि भगवान भाव के भूखे हैं, वे छप्पन भोग छोड़कर गोपों के प्रेमवश माखन की चोरी करते हैं।



अहंकार मर्दन और प्रकृति प्रेम का प्रतीक-गोवर्धन लीला

इसके पश्चात कथाव्यास ने गोवर्धन लीला के प्रसंग पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कथा के माध्यम से बताया कि जब इंद्र को अपनी सत्ता और शक्ति पर अहंकार हो गया, तब भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र की जगह साक्षात प्रकृति के स्वरूप गोवर्धन पर्वत की पूजा करने की प्रेरणा दी। इससे कुपित होकर इंद्र ने ब्रज पर मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी। ब्रजवासियों की रक्षा के लिए 7 वर्ष के बालक श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठ उंगली (छोटी उंगली) पर विशाल गोवर्धन पर्वत को उठाकर श्गिरिधारीश रूप धारण किया। लगातार सात दिनों तक ब्रजवासी पर्वत के नीचे सुरक्षित रहे, जिसके बाद इंद्र का अहंकार चूर-चूर हो गया और उन्होंने प्रभु से क्षमा मांगी। पौराणिक जी ने कहा कि गोवर्धन लीला हमें सिखाता है कि पर्यावरण, गाय और प्रकृति की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है। ईश्वर हमेशा अहंकार का नाश करते हैं और शरणागत की रक्षा करते हैं।

छप्पन भोग और भजनों पर झूमे श्रद्धालु

कथा के दौरान गोवर्धन पूजा का सजीव उत्सव मनाया गया। भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए। संगीत टोली द्वारा प्रस्तुत किए गए ष्गिरिराज धरण प्रभु तुम्हारी शरणष और बाल लीलाओं के मधुर भजनों पर पन्ना के श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। पूरा मंदिर परिसर ष्हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की और ष्जय गिरिराज महाराजष के जयकारों से गुंजायमान रहा। मुख्य यजमान सहित समस्त भक्त मंडल ने महाआरती में भाग लिया और छप्पन भोग के प्रसाद वितरण के साथ कथा का विश्राम हुआ।

खबर संक्षेप

मानसिक स्वास्थ्य विषय पर डॉ शर्मा ने भोज विश्वविद्यालय में दिया व्याख्यान



छतरपुर। मानसिक विक्षिप्तों के सेवक एवं सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति के रूप में सम्मानित डॉ. संजय कुमार शर्मा ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल में अपना व्याख्यान दिया। इस अवसर पर स्पेशल एजुकेशन डिसएबल के डीन हेमंत सिंह केसवाल उपस्थित रहे।डॉ शर्मा ने बीएड एवं एमएड के शिक्षार्थियों को व्याख्यान के माध्यम से दिव्यांगों के लिए बने विभिन्न कानून और प्रावधानों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह से न्यायपालिका के माध्यम से मानसिक रूप से परेशान व्यक्ति को न केवल इलाज दिलाया जा सकता है बल्कि उसे समाज की मुख्य धारा में फिर से जोड़ा जा सकता है। आज के दौर में हर व्यक्ति तनाव से ग्रसित है शासन की ओर से दिव्यंका की जो प्रकार बताए गए हैं उनमें से कोई ना कोई एक विकार हर व्यक्ति में मौजूद दिखाई दे रहा है। डॉ शर्मा ने लोगों से नशीले पदार्थों से दूर रहने का सुझाव दिया, साथ ही परिवार के सदस्यों को भी मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव डालने वाले नशीले पदार्थ से बचाने के लिए प्रेरित किया।

छतरपुर में विवादों से घिरी डायल 112, डीएस पर लग रहे वसूली के आरोप

छतरपुर। म.प्र. शासन द्वारा छतरपुर जिले में भी डायल 112 एक निजी कम्पनी जीव्हीके के माध्यम से शुरू की गई लेकिन छतरपुर में यह डायल 112 विवादों के घेरे में फंस गई है क्योंकि पूर्व जो डीएस यहां पदस्थ रहे किन्हीं कारणों से वह कुछ दिनों के लिए गायब हो गये। उनके गायब होने के बाद जिला डीएस का प्रभार निवाड़ी के डीएस को सौंप दिया गया और निवाडी के डीएस ने छतरपुर जिले का प्रभार मिलते ही यहां के पायलटों को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। अब उन पर वसूली के गंभीर आरोप लग रहे हैं। एक पायलट मनीष शर्मा को न तो नोटिस दिया और जांच रिपोर्ट आने से पहले ही कम्पनी के एचआर को गुमराह करते हुए पायलट पद से हटाने का पत्र जारी कर दिया गया। पत्र में पैसे लेने का वीडियो वायरल होने का आरोप लगाया लेकिन जांच रिपोर्ट में यह आरोप कहीं सिद्ध नहीं हुआ फिर भी कम्पनी के एचआर को गुमराह डीएस ने किया। इसके अलावा एक माह बाद उसी पायलट को यह कहकर गुमराह करते रहे और पार्टी लेते रहे कि मैं जल्द तुम्हें डियूटी ज्वाइन करा दूंगा। लेकिन न डियूटी ज्वाइन कराई और न ही कंपनी से कोई पत्राचार किया और अब इस मामले से अपना पल्ला झाड़ रहें हैं कि तुम्हारे विरूद्ध दो मामले विचाराधीन हैं। जबकि अभी कई पायलट नौकरी कर रहे हैं जिनके विरूद्ध मामला न्यायालय में विचाराधीन है। दो पायलट ऐसे भी हैं जिन पर अदालत द्वारा जुर्माना लगाया गया था लेकिन वह भी नौकरी कर रहे हैं। इससे छतरपुर में डायल 112 अब विवादों के घेरे में फंसती जा रही है।

त्योहारों से पहले मिलावटखोरी पर प्रशासन सख्त, खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे

कलेक्टर के निर्देश पर नौगांव में प्रशासन की छापामार कार्रवाई, शांति स्वीट से 2 बोरी खोवा जप्त

नौगांव। दीपावली सहित आगामी त्योहारों के मद्देनजर आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। गुरुवार को कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश के बाद नौगांव में प्रशासन और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने प्रसिद्ध मिष्ठान प्रतिष्ठान शांति स्वीट पर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने दो बोरी खोवा सील किया और दुकान में रखे विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे।गौरतलब है कि गुरुवार को कलेक्टर मृणाल मीना ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में त्योहारों के दौरान अमानक खाद्य पदार्थों, खराब मिठाइयों और मिलावटी मावे की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर ने विशेष रूप से नौगांव बस स्टैंड क्षेत्र में खाद्य पदार्थों की जांच करने को कहा था। इस क्षेत्र में बाहर से मावा लाकर बिक्री किए जाने की शिकायतें भी सामने आई थीं। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि प्रयोगशाला जांच में खाद्य सामग्री सबस्टैंडर्ड पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निरस्त करने और नियमानुसार दुकान बंद कराने जैसी सख्त कार्रवाई की जाए।कार्रवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी सामने आया कि शांति स्वीट पर पूर्व में भी खाद्य पदार्थ का नमूना फेल होने के बाद हजारों रुपये



का जुर्माना लगाया जा चुका है। इसके बावजूद एक बार फिर इसी प्रतिष्ठान पर प्रशासन की कार्रवाई होना खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े करता है। अब नए नमूनों की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी। शरद पूर्णिमा से पहले पहलवान खोवा भंडार पर भी हुई थी बड़ी कार्रवाई जो नाकाफी साबित हुई कार्रवाई से कई वाहनों से खेप न रोक पाना और कई दुकानदार कार्रवाई से बचे। नौगांव में मिलावटी और अवैध रूप से भंडारित खोवा के खिलाफ यह पहली कार्रवाई नहीं है। शरद पूर्णिमा से पहले एसडीएम गोपाल शरण पटेल और एसडीओपी अमित मेश्राम के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने बस स्टैंड स्थित पहलवान खोवा भंडार पर छापा मारा था। उस दौरान करीब 73 किलो खोवा जब्त कर नष्ट कराया गया था। कार्रवाई के दौरान छतरपुर जिला खाद्य अधिकारी संतोष तिवारी भी मौजूद रहे थे।

दीपावली पर मिठास के नाम पर लोगों की सेहत से खिलवाड़ तो नहीं? -

लगातार सामने आ रही इन कार्रवाइयों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर त्योहारों के दौरान आम लोगों को शुद्ध और सुरक्षित मिठाइयां मिलेंगी या नहीं? दीपावली जैसे बड़े पर्व पर बाजारों में मिठाइयों और मावे की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में यदि कुछ दुकानदार अधिक मुनाफे के लालच में लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं, तो उन पर समय रहते कठोर कार्रवाई जरूरी है। गुरुवार की कार्रवाई में नायब तहसीलदार प्रदीप सिंह लोधी एवं खाद्य विभाग की नौगांव अधिकारी वंदना जैन की टीम शामिल रही। अब देखना होगा कि प्रशासन की यह सख्ती केवल छापामार कार्रवाई तक सीमित रहती है या जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी प्रतिष्ठानों पर भी प्रभावी कार्रवाई होती है।

लाखों खर्च के बाद भी सामुदायिक भवन बने शराबियों का अड्डा और तबेला



छतरपुर जिले में सरकारी योजनाओं और विधायक निधि से जनता की सुविधा के लिए बनाए गए सामुदायिक भवन इन दिनों अपने मूल उद्देश्य से पूरी तरह भटक चुके हैं। लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी इन भवनों का लाभ आम जनता को नहीं मिल रहा है, बल्कि रखरखाव के अभाव में यह परिसंपत्तियां भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही हैं।

मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे की ओर से हाल ही में सामुदायिक भवनों के निर्माण और उनके आर्थिक औचित्य पर सवाल उठाए जाने के बाद यह मुद्दा और गरमा गया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि सीमित बजट वाले नगरीय निकायों पर आर्थिक बोझ डालने के बजाय जमीन उपलब्ध कराई जाए और संबंधित समाज अपने स्तर पर भवनों का निर्माण कर उनका संचालन करे। लेकिन छतरपुर की जमीनी हकीकत इससे कहीं अधिक गंभीर और चिंताजनक है, जहां निर्माण की गुणवत्ता से लेकर हैंडओवर और सुरक्षा तक पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। छतरपुर जिले में विधायक निधि सहित विभिन्न मदों से बनने वाले सामुदायिक और समाज भवनों के निर्माण में भ्रष्टाचार और घटिया सामग्री के इस्तेमाल के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। ग्रामीणों का दावा है कि स्वीकृत राशि और धरातल पर दिखने वाले निर्माण के बीच भारी अंतर है। स्थिति यह है कि कई भवनों में निर्माण के महज दो से तीन साल के भीतर ही दीवारों पर बड़ी-बड़ी दरारें उभर आई हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि यदि इन सभी निर्माण कार्यों की तकनीकी और निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो निर्माण सामग्री, स्वीकृत बजट और वास्तविक खर्च का सच खुलकर सामने आ जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति और भी बदतर है। ग्राम नेगुवां में बनाए गए सामुदायिक भवन का उपयोग सामाजिक आयोजनों या जनता के हित में होने के बजाय खेतों के बीच बने होने के कारण मवेशियों को बांधने, भूसा भरने और अन्य निजी जरूरतों के लिए किया जा रहा है। सार्वजनिक उपयोग के नाम पर बनाई गई इस संपत्ति के लिए स्थान का चयन किस आधार पर किया गया और निर्माण के बाद इसकी सुधि लेने वाला कोई क्यों नहीं है, यह एक बड़ा प्रशासनिक सवाल है।

हनुमान टोरिया के पीछे 20 लाख का भवन लावारिस, जुआरियों और शराबियों का कब्जा

छतरपुर। शहर में हनुमान टोरिया के पीछे स्थित सामुदायिक भवन प्रशासनिक सुस्ती और उदासीनता का सबसे बड़ा उदाहरण है। करीब तीन से चार साल पहले विधायक निधि से लगभग 20 लाख रुपये की लागत से इस भवन का निर्माण कराया गया था। किसी विशेष समाज को सौंपे जाने वाले इस भवन का अब तक औपचारिक हस्तांतरण नहीं हो सका है। आलम यह है कि इस भवन के आसपास ताश के पत्ते, शराब की बोतलें और मवेशियों की गंदगी फैली रहती है। शाम ढलते ही यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है। लोक निर्माण विभाग और नगर पालिका के बीच हैंडओवर को लेकर खींचतान जारी है, जहां एक ओर पीडब्ल्यूडी इसे नगर पालिका को सौंपने की बात कह रहा है, वहीं नगर पालिका सीएमओ माधुरी शर्मा का कहना है कि भवन अभी तक उन्हें हैंडओवर ही नहीं हुआ है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि बिना हैंडओवर के इस परिसर की सुरक्षा और रखरखाव की जिम्मेदारी आखिर किसकी है।ग्रामीणों और शहरवासियों द्वारा लगातार ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों पर गुणवत्ता से समझौता करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री आशीष भारती से पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी तरफ से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, नगर पालिका सीएमओ माधुरी शर्मा ने आश्वासन दिया है कि यदि समाज भवनों के निर्माण में किसी भी तरह की लापरवाही या घटिया निर्माण कार्य पाया जाता है, तो संबंधित ठेकेदार और निर्माण एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छतरपुर के वार्डों से लेकर गांवों तक फैले इन सामुदायिक भवनों की मौजूदा तस्वीर यह बताने के लिए काफी है कि कागजों पर बनने वाली योजनाएं धरातल पर कितनी बेअसर साबित हो रही हैं। अब यह देखना अहम होगा कि प्रशासन इन गंभीर शिकायतों का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराता है या नहीं, ताकि सरकारी धन का दुरुपयोग रुक सके और जनता को इन परिसंपत्तियों का वास्तविक लाभ मिल सके।

एसपी कार्यालय पहुंचे पति-पत्नी, पुलिस पर गंभीर आरोप लगाकर मांगा न्याय

दुकान में शराब रखकर फंसाने और राजीनामे का दबाव बनाने का आरोप, पीड़ित ने दी आत्महत्या की चेतावनी



छतरपुर। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक पति-पत्नी न्याय की गुहार लगाने पहुंचे। लवकुशनगर थाना क्षेत्र के ग्राम टहंगा निवासी पीड़ित दंपति ने एक व्यक्ति और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए एसपी को शिकायती आवेदन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता ठाकुरदास अहिरवार ने आरोप लगाया कि 29 अक्टूबर की शाम करीब 7:15 बजे वह खेत से काम करके घर लौटे और अपनी किराने की दुकान खोली, तभी पीरा निवासी युवक कथित तौर पर शराब के क्वार्टर लेकर दुकान में घुस आया। इसके बाद उसने फोन लगाकर पुलिस को बुला लिया। पीड़ित का आरोप है कि उक्त व्यक्ति पुराने मामलों में राजीनामा करने का दबाव बना रहा है और ऐसा नहीं करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहा है। लवकुशनगर थाने से फोन कर 40 हजार रुपये लेकर आने का दबाव बनाया गया, अन्यथा मुकदमा दर्ज करने की बात कही गई। आवेदन में पुलिस द्वारा ज्ञात आरोपी के बजाय अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आरोप भी लगाया गया है। दंपति ने एसपी से सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग की। पीड़ित ने चेतावनी दी कि सुनवाई नहीं हुई तो वह आत्महत्या करने को मजबूर होगा।

इलाज के बाद घर लौटी महिला की तीन दिन बाद मौत, परिवार में मातम



छतरपुरः जिले के हरपालपुर इलाके में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई 40 वर्षीय महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में शोक की लहर है।

नौगांव थाना क्षेत्र के नयागांव की रहने वाली 40 वर्षीय जयंती अहिरवार पत्नी धर्मेंद्र अहिरवार अपने बड़े बेटे भारत लाल अहिरवार के साथ बाइक पर सवार होकर उत्तर प्रदेश के राठ स्थित अपनी रिश्तेदारी में जा रही थीं। रास्ते में हरपालपुर के पास अचानक बाइक के सामने एक भैंस आ गई। भैंस को बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे बाइक के पीछे बैठीं जयंती अहिरवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं।

हादसे के तुरंत बाद परिजनों ने उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें ग्वालियर रेफर कर दिया था। ग्वालियर में लंबा इलाज चलने के बाद जब उनकी सेहत में कुछ सुधार हुआ, तो परिजन उन्हें तीन दिन पहले ही अपने घर लेकर लौटे थे। लेकिन घर लौटने के कुछ ही दिनों बाद अचानक उनकी तबीयत दोबारा बिगड़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए छतरपुर जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया है। इस अचानक हुए हादसे और मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कमिश्नर ने नवनिर्मित 200 बिस्तरीय अस्पताल भवन का किया निरीक्षण



क्रिटिकल केयर ब्लॉक सहित विभिन्न वार्डों की व्यवस्थाएं देखीं

छतरपुर। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत छतरपुर प्रवास पर आए कमिश्नर सागर संभाग दिलीप कुमार ने शुक्रवार को जिला चिकित्सालय परिसर में नवनिर्मित 200 बिस्तरीय अस्पताल भवन का निरीक्षण किया। इसमें 100 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर ब्लॉक एवं 100 बिस्तरीय वार्ड शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने भवन के विभिन्न तलों का भ्रमण कर निर्माण कार्यों, व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने महाप्रबंधक भवन विकास निगम को भवन में शेष कार्य तत्काल पूर्ण कराने, फर्श की पॉलिशिंग कराने, फायर एनओसी शीघ्र प्राप्त करने तथा भवन हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने नवनिर्मित एवं पुराने अस्पताल भवन के बीच ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने तथा एसटीपी/ईटीपी में सुधार अथवा नया प्लांट स्थापित करने के लिए एस्टीमेट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन का मांग पत्र संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, भोपाल को भेजने के निर्देश सिविल सर्जन को दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मृणाल मीना, जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.पी. गुप्ता, सिविल सर्जन डॉ. शरद चौरसिया एवं भवन विकास निगम के महाप्रबंधक उपस्थित रहे।

खजुराहो-महोबा रेल ट्रैक पर फंसी ट्रैक्टर-ट्रॉली, चालक गिरफ्तार

लवकुश नगर। छतरपुर जिले के अंतर्गत खजुराहा-महोबा रेल खंड पर बीते रोज एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। डुमरा रेलवे स्टेशन के समीप एक सोनालिका ट्रैक्टर और ट्रॉली अचानक रेलवे ट्रैक के बीचों-बीच फंस गई। गनीमत यह रही कि उस समय कोई ट्रेन वहां से नहीं गुजर रही थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आरपीएफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर को ट्रैक से हटाकर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

पटरी पर ट्रैक्टर छोड़ भागा चालक

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना बीते रोज करीब रात्रि करीब 10:30 बजे की है। जब एक सोनालिका ट्रैक्टर का चालक लापरवाही पूर्वक रेलवे ट्रैक पार करने की कोशिश कर रहा था, तभी उसका ट्रैक्टर-ट्रॉली पटरियों के बीच में जाकर बुरी तरह फंस गई। काफी प्रयास के बाद भी जब ट्रैक्टर वहां से नहीं निकला और किसी ट्रेन के आने का डर सताने लगा, तो चालक अपनी जिम्मेदारी निभाने की बजाय ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर ही लावारिस हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गया।

ग्रामीणों में मची खलबली, टाला बड़ा हादसा

रेलवे ट्रैक के बीचों-बीच भारी-भरकम ट्रैक्टर-ट्रॉली फंसी देख आसपास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। यह ट्रैक खजुराहो और महोबा को जोड़ता है, जिस पर नियमित रूप से ट्रेनों का आवागमन होता है। यदि इस दौरान कोई तेज रफ्तार पैसेंजर या एक्सप्रेस ट्रेन आ जाती, तो बड़ा हादसा हो सकता था स्थानीय



लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत इसकी सूचना रेलवे प्रशासन और रेलवे सुरक्षा बल को दी।

आरपीएफ की त्वरित कार्रवाई, आरोपी चालक गिरफ्तार

घटना की गंभीरता से देखते हुए आरपीएफ की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। जहां आरपीएफ इंस्पेक्टर ज्ञानचंद्र ने मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सूचना मिलते ही सुरक्षा बल ने मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत के बाद रेलवे ट्रैक पर फंसी ट्रैक्टर-ट्रॉली को सुरक्षित तरीके से लाइन से अलग किया। इसके बाद ट्रैक पर यातायात को पूरी तरह बहाल किया गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर ने आगे बताया कि इस गंभीर लापरवाही और रेल यात्रियों की जान जोखिम में डालने के मामले को बेहद सख्ती से लिया गया है। आरपीएफ ने तत्परता दिखाते हुए फरार संबंधित ट्रैक्टर चालक को ढूंढ निकाला और उसे हिरासत में ले लिया है। आरोपी चालक के खिलाफ रेलवे एक्ट की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

बीहर-बिछिया समेत प्रमुख नदी-नालों के किनारे हटेगा अतिक्रमण

प्रमुख सचिव ने कलेक्टर को जांच कर कार्रवाई के दिए निर्देश, शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग होगा सर्वे

रीवा।

शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में नदियों और नालों के किनारे सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण तथा ग्रीन बेल्ट में अवैध प्लाटिंग का मामला अब शासन तक पहुंच गया है। बीहर और बिछिया नदी सहित जिले के प्रमुख जलस्रोतों के किनारे हुए अतिक्रमण की शिकायत पर राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव ने संज्ञान लेते हुए कलेक्टर को जांच और नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

शासन से मिले पत्र के बाद जिला प्रशासन ने भी प्रक्रिया शुरू कर दी है। कलेक्टर ने हुजूर तहसीलदार को शिकायत में उल्लेखित तथ्यों का परीक्षण कर 15 दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इस कार्रवाई के बाद लंबे समय से नदी-नालों के किनारे अतिक्रमण और अवैध निर्माण का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। शिकायतकर्ता सामाजिक कार्यकर्ता बीके माला ने राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर रीवा शहर और आसपास के क्षेत्रों में जलस्रोतों के प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़, ग्रीन बेल्ट पर कब्जे और नियमों के विपरीत हो रही प्लाटिंग की शिकायत की थी। प्रमुख सचिव ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर को तथ्यों की जांच कराने तथा अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। पत्र की प्रति शिकायतकर्ता को भी मिली है। बीके माला के अनुसार उन्होंने केवल बीहर और बिछिया नदी ही नहीं, बल्कि शहर और जिले के अन्य प्रमुख जलस्रोतों के आसपास हो रहे अतिक्रमण और अवैध प्लाटिंग को लेकर भी शासन-प्रशासन के विभिन्न अधिकारियों को शिकायतें भेजी थीं। इनमें टेकुआ नाला, चंदुआ नाला, झिरिया नाला, साबा बहरा, महाजन टोला, धिरमा, निपनिया, अजगरहा नाला, अमहिया नाला, करहिया और रतहरा सहित अन्य जलस्रोत शामिल हैं। कई स्थानों पर नदी-नालों के आसपास की जमीन पर कब्जे किए गए हैं और प्राकृतिक जल निकासी के रास्तों को प्रभावित करते हुए निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में कॉलोनाइजरों द्वारा आवश्यक वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किए बिना प्लाटिंग किए जाने की भी शिकायत की गई है। उनका आरोप है कि कुछ कॉलोनाइजर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएंडसीपी) की अनुमति, रेरा के प्रावधानों और भूमि डायवर्शन से जुड़ी आवश्यकताओं का पालन नहीं कर रहे हैं। शिकायत में इन सभी बिंदुओं की राजस्व, नगर निगम और संबंधित विभागों के माध्यम से जांच कराने की मांग की गई है।

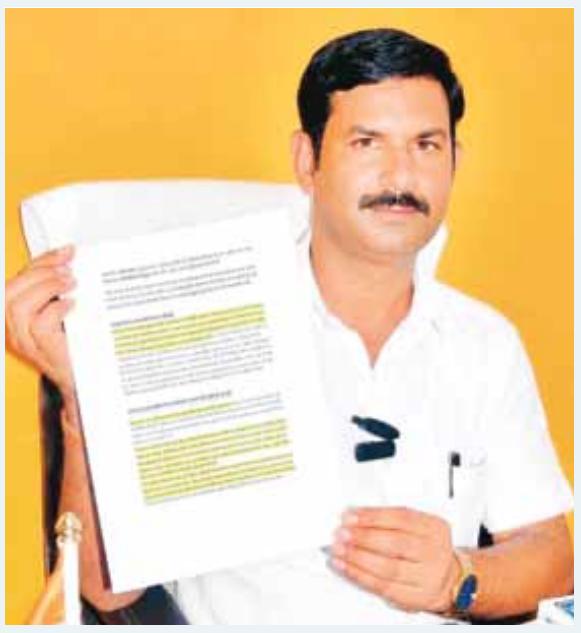



बाढ़ के बाद उठे थे नदी-नालों पर कब्जे के सवाल

रीवा शहर में हाल ही में बारिश के दौरान आई बाढ़ ने नदी-नालों के प्राकृतिक प्रवाह और जल निकासी व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए थे। कई इलाकों में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति बनने के बाद अतिक्रमण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। शिकायतकर्ता बीके माला का कहना है कि नदी-नालों के किनारे अतिक्रमण और अवैध निर्माण की वजह से पानी के प्राकृतिक बहाव में बाधा उत्पन्न हो सकती है। उनका कहना है कि यह जांच जरूरी है कि किन स्थानों पर नदी और नालों के प्राकृतिक रास्ते प्रभावित हुए हैं और कहां ग्रीन बेल्ट की जमीन पर निर्माण किया गया है। यदि समय रहते जलस्रोतों के किनारे हुए अतिक्रमण नहीं हटाए गए तो बारिश के दौरान शहर के निचले इलाकों में जलभराव की समस्या और गंभीर हो सकती है।

एमआईसी सदस्य ने भी उठाया था बीहर नदी के ग्रीन बेल्ट का मुद्दा

बीहर नदी के किनारे अतिक्रमण का मामला नगर निगम की मेयर इन काउंसिल में भी उठ चुका है। एमआईसी के निर्माण प्रभारी धनेन्द्र सिंह बघेल ने बीते कुछ महीनों के दौरान कलेक्टर को कई पत्र सौंपकर नदी के दोनों किनारों पर हो रहे अवैध निर्माण की शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि बीहर नदी के किनारे 50 मीटर का ग्रीन बेल्ट निर्धारित है, लेकिन इसके बावजूद दोनों तरफ निर्माण गतिविधियां जारी हैं। कुछ स्थानों पर पहले ही कॉलोनियां विकसित हो चुकी हैं और अन्य निर्माण भी किए गए हैं।

शहर और ग्रामीण क्षेत्र की अलग-अलग तैयार होगी रिपोर्ट

प्रमुख सचिव का पत्र मिलने के बाद कलेक्टर ने हुजूर तहसीलदार को शिकायत में दिए गए तथ्यों का परीक्षण कराने और 15 दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासनिक स्तर पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की अलग-अलग रिपोर्ट तैयार कराने की प्रक्रिया बताई जा रही है। शहरी क्षेत्र में नगर निगम के अधिकारियों के माध्यम से नदी-नालों और ग्रीन बेल्ट की स्थिति का परीक्षण कराया जाएगा, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व विभाग के संबंधित अधिकारियों के जरिए सीमांकन और अतिक्रमण की जानकारी जुटाई जाएगी। रिपोर्ट में यदि सरकारी जमीन अथवा निर्धारित ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जे की पुष्टि होती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। बताया जा रहा है कि प्रशासन के पास इससे पहले भी नदियों और नालों के किनारे ग्रीन बेल्ट तथा अतिक्रमण को लेकर सर्वे संबंधी जानकारी उपलब्ध रही है। इसके बावजूद प्रभावशाली लोगों के कब्जों पर कार्रवाई नहीं होने के आरोप लगते रहे हैं। अब शासन स्तर से निर्देश आने के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जांच केवल कागजों तक सीमित रहती है या वास्तव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी शुरू होती है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद भी नहीं हटा अतिक्रमण

रीवा में बारिश के दौरान आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शहर पहुंचे थे। उन्होंने गुलाब नगर क्षेत्र में पहुंचकर बाढ़ से हुए नुकसान की स्थिति देखी थी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि जहां भी बाढ़ का कारण अतिक्रमण बन रहा है, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान अमहिया से रतहरा तक नदी-नालों के किनारे हुए अतिक्रमण को हटाने का मुद्दा भी सामने आया था। इसके बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि प्रशासन व्यापक अभियान चलाकर जल निकासी के रास्तों को मुक्त कराएगा। हालांकि बारिश का दौर समाप्त होने के बाद इस दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नजर नहीं आई। अब प्रमुख सचिव के निर्देश के बाद एक बार फिर अतिक्रमण हटाने की उम्मीद जगी है।

शाही रिवरव्यू और शांति विला पर कार्रवाई का आदेश भी अटक

बीहर नदी के किनारे अवैध निर्माण को लेकर प्रशासन पहले भी कार्रवाई के निर्देश दे चुका है। कुछ महीने पहले कलेक्टर ने नदी किनारे की जमीन का सीमांकन कराने और कब्जाधारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में शांति विला आवासीय कॉलोनी के संचालक और शाही रिवरव्यू के संचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए थे। हालांकि संबंधित अधिकारियों के अनुसार आदेश के विरुद्ध स्थगन जारी होने के कारण कार्रवाई की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी।

रीवा के रोझौही में परमाणु ऊर्जा संयंत्रः 28,000 करोड़ के निवेश के बीच सुरक्षा मानकों पर उठते बड़े सवाल

रीवा में टाटा का परमाणु संयंत्रः कितना सुरक्षित, कितना खतरनाक?

परमाणु हादसों का काला इतिहास और रोझौही का सुलगता सवाल

रीवा मध्य प्रदेश के विंध्य क्षेत्र में ऊर्जा के मोर्चे पर एक नया अध्याय लिखने की तैयारी चल रही है, वहीं दूसरी ओर देश के इतिहास में परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं के डरावने आंकड़े स्थानीय आबादी की रातों की नींद उड़ाए हुए हैं। रीवा जिले की सिरमौर तहसील के अंतर्गत क्योंटी के पास रोझौही गांव में टाटा एनर्जी द्वारा देश के पहले निजी न्यूक्लियर पावर प्लांट (28,000 करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश) की स्थापना का प्रस्ताव है। हालांकि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को औद्योगिक और आर्थिक विकास का मील का पत्थर बताया जा रहा है, लेकिन यदि वैश्विक स्तर पर बात करें तो चेर्नोबिल, फुकुशिमा, थ्री माइल्स आयलैंड, एसएल-1 एवं टोकाईमुरा जैसी परमाणु संयंत्रों की भयावह दुर्घटनाएं तो हैं ही वहीं भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के अब तक के सुरक्षा इतिहास और दुर्घटनाओं के दस्तावेजों ने भी बड़े गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारत के परमाणु इतिहास के वे सबक, जो रोझौही के लिए चेतावनी हैं

प्रस्तुत आधिकारिक सुरक्षा रिपोर्ट्स और एईआरबी (AERB) तथा एनपीसीआईएल (NPCIL) के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश के विभिन्न परमाणु संयंत्रों में तकनीकी विफलताएं, आग लगने की घटनाएं, भारी पानी का रिसाव और रेडिएशन एक्सपोजर आम बात रहे हैं। यदि रोझौही में टाटा का यह न्यूक्लियर प्लांट स्थापित होता है, तो क्षेत्रवासियों को निम्नलिखित ऐतिहासिक त्रासदियों से सबक लेने की आवश्यकता हैः

1993 नरोरा परमाणु दुर्घटना (INES स्तर 3): भारत के इतिहास की सबसे भयावह दुर्घटना उत्तर प्रदेश के नरोरा में हुई थी, जहां स्टीम टरबाइन के ब्लेड टूटने से भीषण आग लग गई थी और पूरा स्टेशन ब्लैकआउट हो गया था। कूलिंग पंप बंद होने से कोर पिघलने (Core Meltdown) यानी चेरनोबिल जैसी महाआपदा का गंभीर खतरा पैदा हो गया था। ऐसे में रोझौही जैसे ग्रामीण और संभाग क्षेत्र में इस स्तर के संयंत्र का आना कितनी बड़ी चुनौती साबित हो सकता है, यह सोचने का विषय है।

2016 काकरापार संयंत्र दुर्घटना (INES स्तर 2): गुजरात के काकरापार में कूलेंट पाइप क्रैकिंग और भारी पानी के भारी रिसाव के कारण रिएक्टर का दबाव तेजी से गिर गया था। इस तकनीकी चूक के कारण संयंत्र महीनों तक बंद रहा था।

2009 कैगा का साबाटोज और पेयजल संदूषणः कर्नाटक के कैगा परमाणु संयंत्र में अंदरूनी अपसधिक शरारत (Sabotage) के चलते अज्ञात व्यक्ति द्वारा भारी पानी में रेडियोधर्मी ट्रिटियम मिला दिया गया था, जिससे दर्जनों कर्मचारी और ऑपरेटर रेडियोधर्मी विषमता से गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे बाद में बीमारी के चलते कई की मृत्यु भी हो गई थी।

रावतभाटा (राजस्थान) और कल्पक्कम (तमिलनाडु) के हादसेः राजस्थान (RAPS) और मद्रास (MAPS) परमाणु संयंत्रों में समय-समय पर आग लगने, भारी पानी लीक होने (जैसे 1999 में 42 टन भारी पानी का रिसाव) और रखरखाव के दौरान कर्मचारियों के ट्रिटियम विकिरण की चपेट में आने की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

रोझौही के ग्रामीणों में खौफ और विरोध के स्वर

इन ऐतिहासिक आपदाओं और सुरक्षा चूकों के दस्तावेजों के सामने आने के बाद रीवा के रोझौही गांव के स्थानीय नागरिकों और किसानों में भारी रोष और डर का माहौल है। पिछले दिनों साइट पर सर्वे और ड्रिलिंग का काम शुरू होते ही हजारों ग्रामीण सड़कों पर उतर आए और काम को रोक दिया था। बाद में जल सत्याग्रह और आमरण अनशन जिसमें एक महिला आदिवासी विमला कोल की मृत्यु भी हुई थी। ग्रामीणों का तर्क है कि यदि किसी भी तकनीकी खराबी के चलते रेडियोधर्मी रिसाव या ट्रिटियम संदूषण जैसी घटना रीवा जैसी उपजाऊ और घनी आबादी वाले क्षेत्र में होती है, तो यहाँ का जनजीवन, जल स्रोत और कृषि भूमि हमेशा के लिए तबाह हो जाएगी।

रोझौही न्यूक्लियर पावर प्लांट निरस्त करने की माग

टाटा एनर्जी का यह प्रोजेक्ट भले ही क्षेत्र को ऊर्जा हब बनाने और हजारों रोजगार के दावे कर रहा हो, परंतु सुरक्षा मानकों, न्यूक्लियर वेस्ट मैनेजमेंट और ऐतिहासिक दुर्घटनाओं (जैसे नरोरा और काकरापार) के तथ्यों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार और कंपनी को पहले स्थानीय जनता को विश्वास में लेना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि रोझौही की जनता की सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ न हो, अन्यथा यह विकास रीवा के लिए अभिशाप साबित हो सकता है। लेकिन दूसरी तरफ इस आंदोलन को शुरू से दिशा देने वाले सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी ने बताया कि न केवल रोझौही सरई के लोग बल्कि आसपास के सैकड़ो ग्रामों के रहवासी टाटा के प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर प्लांट प्रोजेक्ट को रोझौही से वापस लेने एवं निरस्त करने को लेकर अड़े हुए हैं और निरंतर आंदोलनरत हैं।

नगर निगम के दो कर्मचारी सेवानिवृत्त, भावभीनी दी गई विदाई

निगम अध्यक्ष, आयुक्त और नेता प्रतिपक्ष ने शाल-श्रीफल भेंटकर किया सम्मानित

रीवा। नगर पालिक निगम रीवा में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले सहायक यंत्री कमलेश्वर सिंह और माली रामनरेश तिवारी के सेवानिवृत्त होने पर शुक्रवार को निगम कार्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया। दोनों कर्मचारियों की अधिवार्षिकी सेवा 31 अक्टूबर 2026 को पूरी हो रही है। 31 अक्टूबर को अवकाश होने के कारण एक दिन पहले 30 अक्टूबर को समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस दौरान निगम के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके सेवाकाल को याद करते हुए उनके योगदान की सराहना की और आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, निगम आयुक्त अक्षत जैन और नेता प्रतिपक्ष दीनानाथ वर्मा ने सेवानिवृत्त हो रहे सहायक यंत्री कमलेश्वर सिंह एवं माली रामनरेश तिवारी को शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। समारोह के दौरान दोनों कर्मचारियों के कार्यकाल और निगम में उनके द्वारा दी गई सेवाओं का उल्लेख किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने कहा कि किसी भी संस्थान की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में उसके प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। वर्षों तक जिम्मेदारी के साथ काम करने वाले कर्मचारियों का अनुभव संस्थान की कार्यसंस्कृति का हिस्सा बन जाता है। निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय ने कहा कि सेवानिवृत्त हो रहे दोनों कर्मचारियों ने अपने सेवाकाल में कार्यकुशलता, अनुभव और जिम्मेदारी के साथ निगम के कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लंबे समय तक किसी संस्थान में सेवाएं देना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। निगम आयुक्त अक्षत जैन ने कहा कि कमलेश्वर सिंह और रामनरेश तिवारी की सेवाएं निगम के लिए महत्वपूर्ण रही हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने जो अनुभव अर्जित किया है, वह उनके कार्यों में दिखाई देता रहा। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति शासकीय सेवा का एक पड़ाव है, लेकिन वर्षों के अनुभव और कार्य के प्रति समर्पण का महत्व कभी समाप्त नहीं होता। इस अवसर पर उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी ने भी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ अपने कार्य अनुभव साझा किए। उन्होंने उनके साथ बिताए समय और कार्यकाल के अनुभवों का उल्लेख करते हुए उनके सफल एवं सुखद जीवन की कामना की। विदाई समारोह में एमआईसी सदस्य नजमा बेगम, पार्षद सालिकराम नापित, दारा सिंह, राजकुमार जायसवाल, मनोज पटेल, कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, कार्यपालन यंत्री सिद्धार्थ सिंह, सहायक यंत्री, स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन भी समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में कार्यपालन यंत्री सिद्धार्थ सिंह ने उपस्थित अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।



सरदार वल्लभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन आज

रीवा। सरदार वल्लभभाई पटेल के जयंती पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन किया गया है। राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाये रखने के उद्देश्य से एकता दौड़ प्रातः 7.30 बजे स्पोर्टस काम्पलेक्स से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई विवेकानंद पार्क में संपन्न होगी। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया है कि रन फार यूनिटी में सम्माननीय जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, खिलाड़ी, विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी तथा आमजन शामिल होंगे। पुलिस अधीक्षक दौड़ के लिए सुरक्षा और यातायात की समुचित व्यवस्था करेंगे। जिला खेल अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी तथा अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा दौड़ में शामिल होने वाले विद्यार्थियों और खिलाड़ियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। आयुक्त नगर निगम राष्ट्रीय एकता दौड़ के लिए आवश्यक व्यवस्थायें करें।

आत्मा परियोजना में करोड़ों खर्च, फिर भी किसान बेहाल, जिम्मेदार मौन

किसान के खेत तक नहीं पहुंच रहा लाभ

कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी कभी क्षेत्र मे नही दिखते, किसान कार्यालय के चक्कर लगाने को मजबूर

मऊगंज। सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी किसान हितैषी योजना सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन 'आत्मा' जिले में भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ गई है। केंद्र एवं राज्य सरकार की मंशा किसानों को आत्मनिर्भर बनाना और उनकी आय में वृद्धि करना है, मध्यप्रदेश सरकार ने 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप मे घोषित किया है और किसानो के हित मे नये-नये फैसले ले रही है लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी योजना का लाभ अंतिम पंक्ति के किसान तक नहीं पहुंच पा रहा है।

योजना के प्रावधानों के अनुसार जिले के प्रत्येक विकासखंड में कृषि परिसर में आत्मा योजना का कार्यालय संचालित होना चाहिए, जहां कृषि वैज्ञानिकों और अधिकारियों द्वारा किसानों को



उन्नत बीज, जल एवं मृदा संरक्षण, संतुलित उर्वरक व कीटनाशी प्रयोग, समेकित खेती प्रणाली, जैविक खेती, संरक्षित खेती, उद्यानिकी, डेयरी एवं पशुपालन की नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी जानी थी। परंतु जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत है। मिली जानकारी के अनुसार कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी कभी भी क्षेत्र में भ्रमण नहीं करते और ना ही किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने और नई तकनीक की जानकारी देते हैं कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध बीज को पिछले दस वर्षो कुछ प्रभावशाली लोगो को ही दिया जाता जबकि लघु किसान सिर्फ कार्यालय का चक्कर कटते रहते है और कह दिया जाता है कि बीज नही आया है।

भ्रमण और प्रशिक्षण के नाम पर घोटाला

योजना में प्रगतिशील कृषकों के दल को राज्य एवं अंतरराज्यीय भ्रमण कराकर उन्नत कृषि अनुसंधान केंद्रों का अवलोकन कराने का महत्वपूर्ण घटक है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार इसी मद में सबसे बड़ा खेल हुआ है। फाइलों में भ्रमण, भोजन, आवास और वाहन के लाखों के बिल लगे हैं, किंतु कितने किसान वास्तव में भ्रमण पर गए, यह जांच का विषय है। यदि जिला प्रशासन द्वारा निष्पक्ष जांच कराई जाए तो बड़ा घोटाला उजागर हो सकता है।

आत्मा परियोजना का संचालन मऊगंज की बजाय रीवा से

सबसे गंभीर पहलू यह है कि मऊगंज जिले के लिए स्वीकृत आत्मा योजना का संचालन मऊगंज से नहीं बल्कि रीवा से हो रहा है। आरोप है कि विभाग में पदस्थ जिम्मेदार कर्मचारी आज भी मुख्यालय में निवास नहीं करते। विकासखंड स्तर के कार्यालयों में नियमित उपस्थिति नहीं होने से कार्यालयों में अक्सर ताले लटके देखे जा सकते हैं। और किसानो के फोन कभी नही उठाते है इस तरह किसानों और अधिकारियों के बीच संवादहीनता के चलते शासन की मंशा पर पानी फिर रहा है। भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष हरिशंकर पांडेय एवं राम सिपाही पटेल ने कलेक्टर मऊगंज का ध्यान आकृष्ट कराते कहा कि किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए आत्मा योजना के पिछले पांच वर्षों के व्यय, भ्रमण बिलों और प्रगतिशील किसान सूचियों का भौतिक सत्यापन कराया जाय तथा लापरवाह अधिकारियों पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाय, ताकि 'आत्मा' योजना वास्तव में किसानों की आत्मा बन सके। एक माह पूर्व यूपी बागरी डिप्टी डायरेक्टर एग्रीकल्चर ने कहा था कि जिले में कर्मचारियों की कमी है मऊगंज जिले के तीनों विकास खण्ड में एक-एक कर्मचारी पदस्थ हैं,

कर्मचारियों के नियमित न रहने एवं किसानों को योजना संबंधी जानकारी न मिलने की शिकायत मिली है। कर्मचारियों को निर्देश दिए जाएंगे की योजना अनुसार किसानों को कृषि संबंधी जानकारी प्रदान की जाए और योजनाओं का समय-समय पर लाभ प्रदान किया जाए। लेकिन एक माह गुजर जाने के पश्चात भी कोई सुधार नजर नही आया है।

यूपी बागरी
डिप्टी डायरेक्टर एग्रीकल्चर

विधायक एवं कलेक्टर ने रामपुर में जनसंवाद शिविर में 102 ग्रामीणों की समस्याएं सुनी

अधिकारियों को दिये निराकरण के निर्देश

मऊगंज। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत शुक्रवार को नईगढ़ी विकासखंड के सीएफटी भवन रामपुर में आयोजित जनसंवाद शिविर कार्यक्रम में विधायक मनगवां इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति,कलेक्टर राजेश कुमार ओगरे एवं पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने 102 ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधायक मनगवां इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति ने कहा कि जनविश्वास शिविर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

विधायक एवं कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की बात गंभीरता से सुनी तथा संबंधित अधिकारियों से प्रकरण की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के निराकरण में समय-सीमा और गुणवत्ता दोनों का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि ग्रामीणों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े।



विधायक एवं कलेक्टर ने हितग्राहियों को किया हितलाभ का वितरण किया

विधायक मनगवां इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति , कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में आमजन की समस्याएं सुनने के साथ विभिन्न विभागों से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। इस अवसर पर स्वामित्व योजना के अंतर्गत हितग्राहियों रामप्रकाश साकेत, छुहिया, छोटेलाल साकेत, छुहिया,बाबूलाल प्रजापति, एवं रामचंद्र प्रजापति को पट्टों का वितरण भी किया गया। आवासीय भूमि के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज मिलने से हितग्राहियों को अपनी संपत्ति पर अधिकार का प्रमाण प्राप्त होता है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्राम पंचायत रामपुर के रामाश्रय चौरसिया,मुन्नी यादव,शंकर प्रसाद कुशवाहा एवं दूबी के विनायक चौरसिया को लाभ मिला। वहीं लाड़ली लक्ष्मी योजना में अंजली साकेत एवं आर्तिका साकेत को हितलाभ प्रदान किया गया। अभियान के माध्यम से प्रशासन द्वारा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। हितलाभ वितरण में जनपद अध्यक्ष ममता कुंज बिहारी तिवारी,एसडीएम मऊगंज रश्मि चतुर्वेदी, डिप्टी कलेक्टर अजीत मिश्र, सरपंच सरिता कन्हैया सिंह,अंशु सिंह, सहित सभीं विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे